

भारत-इंडोनेशिया के बीच स्थानीय मुद्रा व्यापार

प्रलम्ब के लिये:

[भारतीय रज़िर्व बैंक](#), [लुक ईसट पॉलिसी](#), [गुटनरिपेक्ष आंदोलन](#), [G20](#), [पूरवी एशिया शखिर सममेलन](#)

मेन्स के लिये:

भारतीय मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण, भारत से जुड़े या भारत के हतियों को प्रभावति करने वाले द्वपिक्षीय, कषेत्तीय एवं वैश्वकि समूह और समझौते ।

[स्रोत: बज़िनेस लाइन](#)

चर्चा में क्योँ?

[भारतीय रज़िर्व बैंक](#) और [बैंक इंडोनेशिया](#) ने सीमा पार लेन-देन के लिये स्थानीय मुद्राओं (भारतीय रुपया (INR) और इंडोनेशियाई रुपया (IDR) के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु एक रूपरेखा स्थापति करने के लिये एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये ।

- इससे पहले वर्ष 2023 में [भारत और मलेशिया](#) ने घोषणा की थी किये अन्य मुद्राओं के अलावा भारतीय रुपए में भी व्यापार का नपिटारा करेँगे ।

RBI और बैंक इंडोनेशिया के बीच समझौता ज्ञापन की मुख्य वशिषताएँ क्या हैं?

- MoU का प्राथमकि उद्देश्य INR और IDR में द्वपिक्षीय लेन-देन को सुवधिजनक बनाना है, जसिमें सभी चालू खाता लेन-देन, अनुमत पूंजी खाता लेन-देन तथा दोनों देशों द्वारा पारस्परकि रूप से सहमति के अनुसार अन्य आर्थकि एवं वत्तितीय लेन-देन शामिल हैं ।
- यह ढाँचा नरियातकों और आयातकों को उनकी संबधति घरेलू मुद्राओं में चालान तथा भुगतान करने में सक्षम बनाता है , जसिसे INR-IDR वदिशी मुद्रा बाज़ार के वकिस को बढ़ावा मलिता है । यह दृष्टकिण लेन-देन के लिये लागत और नपिटान समय को अनुकूलति करता है ।
 - इससे [भारत और इंडोनेशिया के बीच व्यापार को बढ़ावा मलिने](#) , वत्तितीय एकीकरण गहरा होने तथा दोनों देशों के बीच ऐतहिासकि, सांस्कृतकि एवं आर्थकि संबधों में वृद्धि होने की उम्मीद है ।

रुपए का अंतर्राष्ट्रीयकरण

अर्थ

- सीमा पार हस्तांतरण में भारतीय रुपए के उपयोग में वृद्धि करना

इसमें शामिल है

- आयात और निर्यात के लिये रुपए का उपयोग
- चालू और पूंजी खाता हस्तांतरण के लिये रुपए का उपयोग

भारतीय रुपया चालू खाते में पूरी तरह से लेकिन पूंजी खाते में आंशिक रूप से परिवर्तनीय है।

आवश्यकता

- अमेरिका द्वारा अमेरिकी डॉलर का हथियारीकरण (प्रतिबंधों के लिये)
- डी-डॉलरराइजेशन की लहर
- चीनी मुद्रा रेंमिन्बी का बढ़ता अंतर्राष्ट्रीयकरण
- वैश्विक विदेशी मुद्रा बाजार कारोबार में भारत की न्यूनतम हिस्सेदारी (1.7%)

RBI के प्रयास

- सीमा-पार व्यापार में भारतीय मुद्रा - विदेश व्यापार नीति 2023 में प्रमुख घटक
- 18 देशों के साथ रुपए में व्यापार समझौते हेतु तंत्र प्रस्तुत किया गया
 - इन देशों के बैंकों को विशेष वोस्ट्रो रुपया खाते (SVRAs) खोलने की अनुमति दी गई
- "भारतीय रुपए में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौता" पर परिपत्र (2022)
- भारतीय रुपए में बाह्य वारिणजिक उधार को सक्षम बनाया गया

महत्त्व

- अमेरिकी डॉलर पर कम निर्भरता
- विदेशी मुद्रा भंडार रखने की कम आवश्यकता
- भारतीय व्यापार की बेहतर सौदा निपटान शक्ति
- मुद्रा की अस्थिरता का कम जोखिम

चुनौतियाँ

- रुपया का पूरी तरह से परिवर्तनीय न होना
- अन्य देशों को भारतीय रुपया (INR) रखने की कम आवश्यकता; वैश्विक निर्यात में भारत की कम हिस्सेदारी
- बाह्य आघातों के प्रति रुपया और अधिक संवेदनशील हो सकता है
- रुपए की आपूर्ति पर भारत का कम नियंत्रण

उठाए जा सकने योग्य कदम

- INR में अधिक उदारीकृत निपटान (भारत और विदेशों में)
- भारत को वैश्विक वित्तीय बाजार में अपनी पहुँच का विस्तार करना चाहिये
- व्यापार घाटे को कम करने के लिये निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था में परिवर्तित होना



//

भारत-इंडोनेशिया संबंध

वाणज्यिक संबंध:

- आसियान (ASEAN) क्षेत्र में इंडोनेशिया भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार देश बनकर उभरा है।
 - द्वपिक्षीय व्यापार सत्र 2005-06 में 4.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से बढ़कर सत्र 2022-23 में 38.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया है।

राजनीतिक संबंध:

- दोनों देश एशियाई और अफ्रीकी देशों की स्वतंत्रता के प्रमुख समर्थक थे, जिसके कारण वर्ष 1955 का बांडुंग सम्मेलन हुआ और वर्ष 1961 में गुटनरिपेकष आंदोलन की शुरुआत हुई।
- वर्ष 1991 में भारत द्वारा 'लुक ईसट नीति' अपनाने के बाद से द्वपिक्षीय संबंधों में तेज़ी से विकास हुआ है।
- दोनों देश G20, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं।

सांस्कृतिक संबंध:

- हिंदू, बौद्ध और बाद में मुसलमि धर्मों ने भारत के तटों से इंडोनेशिया की यात्रा की। रामायण और महाभारत के महान महाकाव्यों की

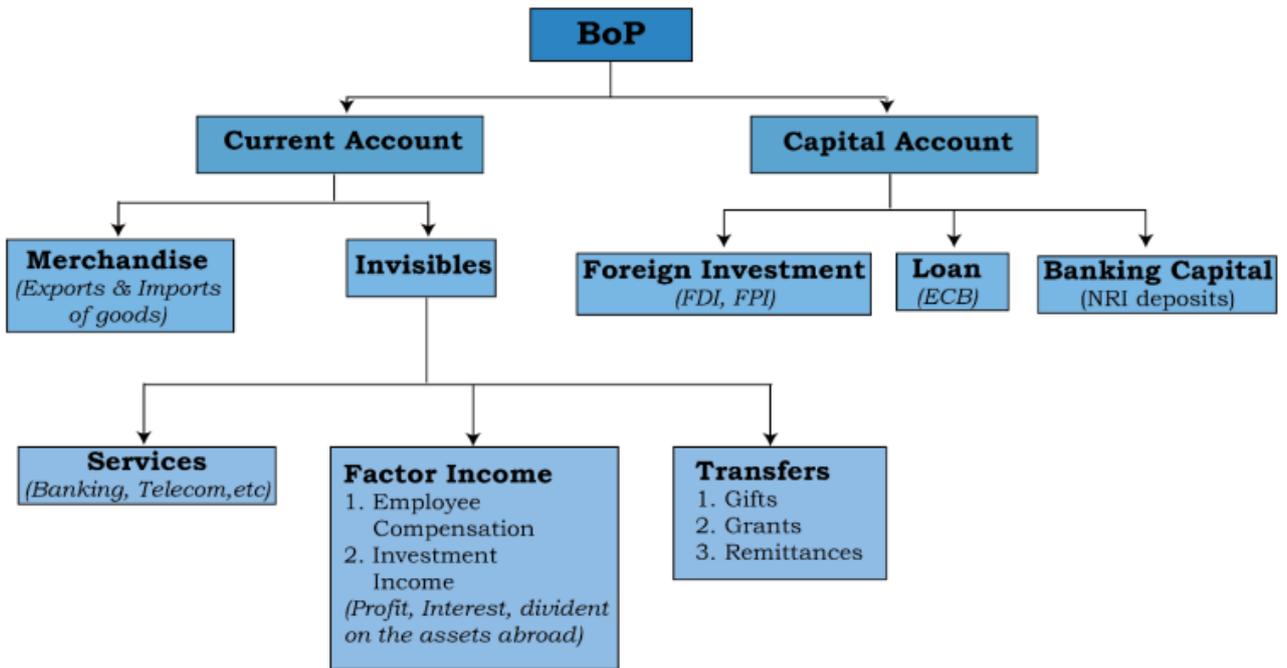
- कथाएँ इंडोनेशियाई लोक कला तथा नाटकों का स्रोत बनी हैं।
- इंडोनेशिया में भारतीय मूल के लगभग 100,000 लोग हैं, जो मुख्य रूप से ग्रेटर जकार्ता, मेदान, सुरबाया और बांडुंग में स्थिति हैं।

रुपए के अंतरराष्ट्रीयकरण के प्रयास क्या हैं?

- **पूंजी बाजार का उदारीकरण:**
 - भारत ने रुपए की अपील को बढ़ाने के लिये रुपए-मूल्य वाले वित्तीय साधनों, जैसे बॉन्ड (**मसाला बॉन्ड**) और डेरिवेटिव की उपलब्धता बढ़ा दी।
- **डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा:**
 - **यूनफाइड पेमेंट इंटरफेस** जैसी पहल ने रुपए में डिजिटल वनिमिय की सुविधा प्रदान की है।
 - हाल ही में **श्रीलंका और मॉरीशस** ने UPI को अपनाया है।
- **वशेष वोस्ट्रो रुपया खाते (SVRA):**
 - भारत ने **18 देशों** (जैसे- **रूस** और **मलेशिया**) के **अधिकृत बैंकों** को बाजार-नरिधारित वनिमिय दरों पर रुपए में भुगतान का नपिटान करने के लिये **वशेष वोस्ट्रो रुपया खाते खोलने की अनुमति दी**।
 - तंत्र का उद्देश्य कम लेन-देन लागत, अधिक मूल्य पारदर्शिता, द्रुत नपिटान समय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार को समग्र रूप से बढ़ावा देना है।
- **मुद्रा वनिमिय समझौते:**
 - RBI द्वारा कई देशों (जैसे- **जापान**, **श्रीलंका** एवं **सारक सदस्य**) के साथ हस्ताक्षरित समझौता संबंधित केंद्रीय बैंकों के बीच रुपए तथा वदिशी मुद्रा के आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है, जिससे रुपए के अंतरराष्ट्रीय उपयोग को बढ़ावा मलित है।
- **द्वपिक्षीय व्यापार समझौते:**
 - सरकार द्वारा अन्य देशों के साथ द्वपिक्षीय व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर करने से सीमा पार व्यापार एवं नविश में वृद्धि हुई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय लेन-देन में रुपए के उपयोग को बढ़ावा मलित है।

भुगतान संतुलन (BoP)

- **भुगतान संतुलन**, किसी देश के आर्थिक स्थिति का एक महत्त्वपूर्ण संकेतक है, जो वशि्व के शेष भागों के साथ उसके अंतरराष्ट्रीय लेन-देन को प्दर्शति करता है।
 - भारतीय नविसयिों एवं वदिशयिों अथवा अनविसी भारतीयों (NRI) के बीच होने वाले लेन-देन को भारत के भुगतान संतुलन में दर्ज कयिा जाता है।
- **संरचना:** BoP को मुख्य रूप से दो खतों में वभिजति कयिा गया है:
 - **चालू खाता:** यह खाता वस्तुओं, सेवाओं, आय एवं वर्तमान हस्तांतरण के प्रवाह को दर्शाता है।
 - यह उन लेन-देन से संबंधित होता है जो वदिश में भारतीय नविसयिों अथवा भारत में वदिशी नविसयिों की कुल संपत्तिया देनदारयिों में बदलाव नहीं करते हैं। इसमें शामिल हैं:
 - वस्तुओं एवं सेवाओं का नरियात और आयात
 - नविश आय (ब्याज, लाभांश) तथा कर्मचारयिों का मुआवज़ा
 - वर्तमान हस्तांतरण (उपहार, सहायता, प्रेषण)
 - **पूंजी खाता:** यह खाता पूंजीगत संपत्तयिों से जुड़े लेन-देन को दर्ज करता है।
 - यह उन लेन-देन को दर्ज करता है जो किसी देश की वदिशी संपत्तयिों एवं देनदारयिों पर सीधा प्रभाव डालते हैं।
 - गैर-उत्पादित गैर-वित्तीय परसंपत्तयिों (भूमि, बौद्धिक संपदा) का अधग्रहण अथवा नपिटान
 - इसमें **प्रत्यक्ष वदिशी नविश**, **वदिशी पोर्टफोलयिो नविश**, वदिश में व्यवसायों में नविश, वदिशी संस्थाओं से उधार लेना और साथ-ही-साथ NRI द्वारा भारतीय बैंकों में की गई जमा पूंजी खाता लेन-देन के उदाहरण हैं।



■ **वदिशी मुद्रा भंडार:**

- भारतीय वदिशी मुद्रा भंडार **वदिशी मुद्राओं में RBI द्वारा रखी गई महत्त्वपूर्ण संपत्ति है।**
 - वे वित्तीय सहायक के रूप में कार्य करते हैं, बाह्य दायित्वों को पूरण करने के लिये तरलता सुनिश्चित करते हैं और साथ ही देश की मुद्रा एवं अर्थव्यवस्था को स्थिर भी करते हैं।
- **भारतीय वदिशी मुद्रा भंडार के घटक:**
 - **वदिशी मुद्राएँ:**
 - भारतीय वदिशी मुद्रा भंडार में मुख्य रूप से अमेरिकी डॉलर, यूरो और ब्रिटिश पाउंड जैसी वदिशी मुद्राएँ शामिल हैं। ये मुद्राएँ तरलता प्रदान करती हैं और अंतरराष्ट्रीय व्यापार लेन-देन की सुविधा प्रदान करती हैं।
 - **आरक्षण स्वर्ण नधि:**
 - यह मुद्रास्फीति की स्थिति में एक आवश्यक बचाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के दौरान एक सुरक्षा जाल के रूप में भूमिका निभाता है।
 - **भारत के पास 800.78 टन आरक्षण स्वर्ण नधि है।**
 - **वशिष आहरण अधिकार (SDR):**
 - **SDR**, IMF द्वारा अनुरक्षण अंतरराष्ट्रीय आरक्षण आस्तियाँ हैं। ये सदस्य देशों के वदिशी मुद्रा भंडार के पूरक की भूमिका निभाते हैं।
 - SDR अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं की एक टोकरी पर आधारित है जिसमें USD, जापानी येन, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग और चीनी रेनमिनीबी शामिल हैं।
 - **IMF में आरक्षण भाग:**
 - IMF में आरक्षण भाग का तात्पर्य **अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष** में भारत के कोटा से है। यह इस वैश्विक वित्तीय संस्था के भीतर भारत की स्थिति और मतदान की शक्त को दर्शाता है।
 - भारतीय वदिशी मुद्रा भंडार पर प्रभाव अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुदृढ़ करता है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. रुपए की परिवर्तनीयता से क्या तात्पर्य है? (2015)

- (a) रुपए के नोटों के बदले सोना प्राप्त करना।
- (b) रुपए के मूल्य को बाज़ार की शक्तियों द्वारा निर्धारित होने देना।

- (c) रुपए को अन्य मुद्राओं में और अन्य मुद्राओं को रुपए में परिवर्तित करने की स्वतंत्र रूप से अनुज्ञा प्रदान करना ।
(d) भारत में मुद्राओं के लिये अंतरराष्ट्रीय बाज़ार विकसित करना ।

उत्तर: (c)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/local-currency-trade-between-india-indonesia>

